जिसने सुबह होने से पहले वित्र नहीं पढ़ी तथा सुबह हो गई, तो उसके लिए वित्र नहीं।

अबू सईद ख़ुदरी -रज़ियल्लाहु अन्हु- से रिवायत है कि रसूलुल्लाह -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- ने फ़रमाया : “जिसने सुबह होने से पहले वित्र नहीं पढ़ी तथा सुबह हो गई, तो उसके लिए वित्र नहीं।”
[सह़ीह़] [इसे इब्ने ह़िब्बान ने रिवायत किया है । - इसे इब्ने ख़ुज़ैमा ने रिवायत किया है । - इसे
ह़ाकिम ने रिवायत किया है।]

http://sunnah.global/hadeeth/hi/show/11276